सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 331 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 11 जनवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

इतिहास खुद को दोहराता है,
पहले एक त्रासदी की तरह,
दुसरे एक मजाक की तरह।
-कार्ल मार्क्स

बिजली के दाम बढ़ने पर आमजन को... 8 | यात्रा-रैली-बयानबाजी चुनावी तैयारी... 3 | जोशीमठ में गिराए जायेंगे 723... 7

जोशीमठ पीड़ितों के जख्मों पर सिर्फ डेढ़ लाख का मरहम

केंद्र से राहत पैकेज को रिपोर्ट का है इंतजार, जांच को आज जाएगी एनआईटी की टीम

» मुआवजे पर सरकार की सिर्फ रस्म अदाएगी अधिकारियों से पीड़ितों की तकरार का दौर जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जोशीमठ में भू-धंसाव से प्रभावित 723 परिवारों को डेढ़ लाख रुपये का सरकारी मुआवजा दिया जाएगा। अगर देखा जाए तो मुआवजे के नाम पर सिर्फ सरकार ने एक तरह से रस्म अदाएगी की है। हालांकि यह अंतरिम सहायता के रूप में प्रत्येक परिवार को दिया जाएगा। इसके अलावा दो होटल मलारी इन और माउंट व्यू को ही गिराया जाएगा। ऐसे में अब अन्य मकानों को नहीं ढहाया जाएगा। प्रशासन के साथ अभी स्थानीय लोगों की बैठक का दौर जारी है। वहां अभी तक के हालात की कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने समीक्षा की।

राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनएमसी) की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने मुख्य सचिव डॉ.एसएस संधु से राहत एवं बचाव के लिए चल रहे कार्यों का ब्योरा लिया। उन्होंने प्रभावित जगहों से लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उधर, केंद्र से राहत पैकेज के लिए जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

एनआईटी का दल आज करेगा प्रभावित क्षेत्र का दौरा

एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड की चार सदस्यीय टीम भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र जोशीमठ का अध्ययन करने जाएगी। टीम जोशीमठ में जमीन धंसने के कारणों को ढूंढने के साथ ही समाधान के तरीके ढूंढेगी। सरकार के निर्देश पर विभिन्न संस्थाओं की टीम जोशीमठ का सर्वेक्षण कर रही है। वहीं, एनआईटी उत्तराखंड अपने स्तर पर चार इंजीनियरों को जोशीमठ भेज रही है। टीम आज जोशीमठ के लिए रवाना होगी। टीम का नेतृत्व सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. क्रांति जैन कर रहे हैं। उनके साथ ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग के डॉ. आदित्य कुमार अनुपम और जियोटेक्नीक इंजीनियरिंग के डॉ. विकास प्रताप सिंह व डॉ. शशांक बत्रा शामिल हैं।

462 परिवारों को किया गया विस्थापित

जिला प्रशासन की ओर से अब तक 462 परिवारों को अस्थायी रूप से विस्थापित किया जा चुका है। लोगों को उनके घरों से सुरक्षित ठिकानों पर शिट किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से अब तक विभिन्न संस्थाओं-भवनों में कुल 344 कमरों का अधिग्रहण किया गया है। इनमें 1425 लोगों को ठहराने की व्यवस्था की गई है।

फिलहाल होटल मालिकों को राहत नहीं

चमोली के जिलाधिकारी हिमांशु खुराना का कहना है कि आपदा अधिनियम के तहत जान-माल की सुरक्षा को देखते हुए दोनों होटलों को तत्काल ध्वस्त करने का निर्णय लिया गया है। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो आसपास के आवासीय भवनों और हाईवे को क्षति पहुंच सकती है। साथ ही बिजली और पेयजल की लाइनों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

मुआवजे पर सहमति नहीं फिर से धरना शुरू

मुय सचिव मिनाक्षी सुंदरम के मार्केट रेट से अधिक मुआवजा नहीं देंगे की बात पर स्थानीय लोग असहमति जता रहे हैं। व्यापारियों और स्थानीय लोगों के साथ प्रशासन की बैठक में मुआवजे पर सहमति नहीं बनी पाई है। मुआवजे को लेकर तकरार चल रही है और पीड़ित परिवारों ने फिर से धरना प्रारंभ कर दिया है। इस बीच सचिव मुयमंत्री मिनाक्षी सुंदरम ने कहा कि व्यापारी भरोसा रखें। पूरा प्रदेश है और सबको देखना है, लेकिन जोशीमठ मलारी इन होटल के मालिक ठाकुर सिंह राणा ने कहा कि उनकी मुयमंत्री प्रमुख सचिव के साथ बैठक बेनतीजा रही है। प्रशासन ने बदरीनाथ की तर्ज पर नहीं, मार्केट रेट पर मुआवजा देने की बात रखी थी, मगर हमे मार्केट रेट भी नहीं बताया जा रहा है। प्रशासन ने कहा कि रेट नहीं बता सकते हैं। इस पर हमने कह दिया कि हम भी नहीं उठेंगे।

भू-धंसाव से प्रभावित जोशीमठ से अलग-अलग जांच दलों की रिपोर्ट आ जाने के बाद ही राज्य सरकार केंद्र को राहत पैकेज का प्रस्ताव भेजेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों से अनुरोध किया गया है ताकि जल्द से जल्द भू-धंसाव के कारण पता चल सकें।

बिहार में जातिगत जनगणना को सर्वोच्च अदालत में चुनौती, 13 को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार की नीतीश कुमार सरकार की ओर से राज्य में कराई जाने वाली जातिगत जनगणना के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने मामले में तत्काल सुनवाई के लिए भी हामी भर दी है। सर्वोच्च न्यायालय याचिका पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा।

अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा ने जनहित याचिका में बिहार सरकार के उप सचिव द्वारा राज्य में जातिगत जनगणना कराने के लिए

» दायर जनहित याजिका में सरकार के फैसले को बताया संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन

जारी अधिसूचना को रद्द करने और अधिकारियों को इस पर आगे बढ़ने से रोकने की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि छह जून 2022 को जारी अधिसूचना संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती है, जिसमें विधि के समक्ष समानता और कानून के समान सरंक्षण का प्रावधान है। याचिकाकर्ता ने कहा कि अधिसूचना गैर कानूनी, मनमानी, अतार्किक और असंवैधानिक है। नालंदा निवासी अखिलेश कुमार ने अपनी याचिका में कहा है कि अगर जाति आधारित सर्वेक्षण का घोषित उद्देश्य उत्पीड़न की शिकार जातियों को समायोजित करना है तो देश और जाति आधारित भेद करना तर्कहीन और अनुचित है। इनमें से कोई भी भेद कानून में प्रकट किए गए उद्देश्य के अनुरूप नहीं है।

सरकार बताए लोग देश छोड़ विदेशों में क्यों बस रहे : कांग्रेस

अमृतकाल में भारतीय बड़ी संख्या में छोड़ रहे हैं अपनी नागरिकता

» पिछले 8 वर्षों में भारतीयों की औसत संख्या प्रतिदिन बढ़कर 1.7 गुना हुई : गौरव बल्लभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की आजादी के अमृतकाल के दौर में पिछले कुछ सालों से भारतीयों के अपनी नागरिकता छोड़ने की लगातार बढ़ रही संख्या को लेकर सरकार पर सवाल दागते हुए कांग्रेस ने पूछा है कि ऐसी क्या वजह है कि उच्च आय वर्ग वाले लोग देश छोड़ विदेशों में बस रहे हैं। पार्टी के अनुसार अकेले 2022 के जनवरी से अक्टूबर के 10 महीने में नागरिकता छोड़ने वालों की सबसे अधिक संख्या एक चिंताजनक पैटर्न की ओर संकेत कर रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने इस मुद्दों पर कहा कि पिछले 8 वर्षों में नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की औसत संख्या प्रतिदिन 1.7 गुना हो गई है और विदेश मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि रोजाना 600 से ज्यादा भारतीय अपनी नागरिकता छोड़ रहे हैं। इसका सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नागरिकता छोड़ने वाले लोगों में ज्यादातर उच्च आमदनी (हाई-नेट-वर्थ) वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में ठहराव, गरीबी बढ़ने से लेकर हंगर इंडेक्स और प्रेस फ्रीडम इंडेक्स जैसे मानकों पर भारत की वैश्विक रैंकिंग में लगातार आ रही गिरावट

के मद्देनजर ऐसा होना तय है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि सीएमआईई के अनुसार, 2022 के दौरान बेरोजगारी दर लगातार सात-आठ फीसद के बीच रही जो बहुत अधिक है। जबकि अर्थव्यवस्था अब भी नोटबंदी के झटकों और जीएसटी के त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन के कारण पटरी पर नहीं आयी है।

निवेश प्रस्ताव में से कितने धरातल पर उतरे : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में आज से शुरू हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन में आए तमाम निवेशकों का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सवाल किया कि पिछले 18 वर्षों में प्रदेश में हुए ऐसे निवेशक सम्मेलन में आए 6,500 प्रस्तावों में से कितने प्रस्ताव धरातल पर उतरे इसकी जानकारी भी मप्र की सरकार दे। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा, प्रदेश में निवेश तब आता है, जब निवेशकों को हमारे प्रदेश में विश्वास हो। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि केवल भाषणबाजी करने से और विज्ञापन व मीडिया इवेंट्स से निवेश नहीं आता।

संघ के कार्यक्रम पर विवाद कांग्रेस ने विजयन को घेरा

» सीएम से की माफी की मांग, सरकार ने कहा- कार्रवाई करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। राज्य संचालित स्कूल में यूथ फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान हाल ही में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम पर शुरु हुए विवाद पर राजनीति शुरू हो गई है। विपक्षी कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से माफी की मांग की है। दरअसल, यहां पांच दिवसीय यूथ फेस्टिवल का 3 जनवरी को उद्घाटन समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। तभी एक वर्ग के लोगों ने आरोप लगाया कि इसमें मुस्लिम समुदाय को चरमपंथी के रूप में चित्रित किया गया है।

वहीं पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने भी कहा था कि हमारे देश में एक विशेष समुदाय को चरमपंथी के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया गया है और संघ परिवार के साथ उस विशेष कार्यक्रम के प्रभारी व्यक्ति के कथित जुड़ाव की जांच की जानी चाहिए। इसे देखते हुए यहां मार्क्सवादी पार्टी की जिला इकाई ने कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से देख रहे हैं। माकपा के कोझिकोड के जिला सचिवालय ने एक बयान में कहा कि कार्यक्रम में एक मुस्लिम व्यक्ति का चरमपंथी के रूप में चित्रण एलडीएफ सरकार और केरल के समाजा के दृष्टिकोण के विपरीत है। हालांकि, माकपा ने इस बात को दोहराया कि उनकी पार्टी और सरकार किसकी विशेष धार्मिक समुदाय या आस्था के खिलाफ कभी भी कोई स्टैंड नहीं लेगी। और अगर इसके विपरीत कोई रुख अपनाता है तो उसकी जांच की जाएगी।

भ्रष्टाचारी भाजपा को कर्नाटक की सत्ता से करेंगे बेदखल : सिद्धारमैया

» विस चुनाव से पहले कांग्रेस की बस यात्रा होगी शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलगावी। आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बस यात्रा शुरू करने की घोषणा की है। कांग्रेस ने कहा कि इसका उद्देश्य राज्य में भाजपा को सत्ता से बेदखल करना है। कांग्रेस इस अभियान की शुरुआत बेलगावी से करेगी। लोगो का अनावरण करते हुए कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार ने भाजपा के खिलाफ तीखा हमला किया।

उन्होंने कहा कि जब से भाजपा में सत्ता में आई है, राज्य में लूट में मची है। कर्नाटक का विकास रुक गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने सिर्फ साम्प्रदायिक राजनीति और राज्य को पंगु बनाने वाली नीतियों पर ध्यान केंद्रित किया है। विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने कहा कि यह यात्रा भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने और झूठ का पर्दाफाश करने के लिए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की बस यात्रा के लिए दो ग्रुप बनाए जाएंगे। एक ग्रुप का नेतृत्व वह खुद करेंगे, जबकि दूसरे ग्रुप का नेतृत्व डीके शिवकुमार करेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले यह यात्रा राज्य के सभी 224 निर्वाचन क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

पूर्वोत्तर में क्षेत्रीय दल पड़ सकते हैं भारी!

» मेघालय में टीएमसी ने सबसे पहले प्रत्याशियों की सूची कर दी है जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों नागालैंड, मेघालय एवं त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव की तैयारियों में भाजपा और कांग्रेस समेत सभी पार्टियां तैयारी में जुटी हैं। तीनों राज्यों में भाजपा और वामदलों के सामने क्षेत्रीय दलों का दबदबा रहने वाला है। तीनों में 60-60 सीटें हैं। त्रिपुरा में भाजपा की सरकार है।

अन्य दो राज्यों में वह सरकार की भागीदार है। त्रिपुरा में कांग्रेस के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) गठबंधन की दिशा में बढ़ रही है, लेकिन सत्तारूढ़ एनडीए को एक नए क्षेत्रीय दल से चुनौती मिलती दिख रही है। मेघालय में तृणमूल कांग्रेस सक्रिय है। तृणमूल और मेघालय में सरकार चला रही नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त है, लेकिन भाजपा, कांग्रेस एवं वामदलों के सामने इनकी पहचान अभी भी क्षेत्रीय जैसी ही है। केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के बाद से पूर्वोत्तर के राज्यों पर भाजपा का फोकस बढ़ा है। विकास के साथ पार्टी की राजनीतिक गतिविधियां हैं। कांग्रेस अपनी पुरानी प्रतिष्ठा की वापसी के लिए प्रयासरत है। मेघालय में तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी एकता के प्रयासों को आईना दिखाते हुए सबसे पहले प्रत्याशियों की सूची जारी कर कांग्रेस को दूसरा झटका दिया है। अभी 52 प्रत्याशी

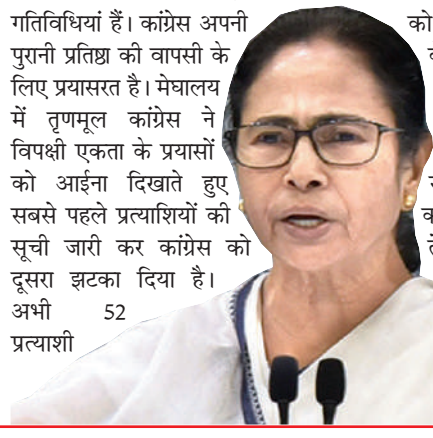

उतारे हैं। दूसरी सूची भी जल्द जारी करेगी। मेघालय में कांग्रेस की अच्छी पकड़ मानी जाती है। पिछले चुनाव में कांग्रेस 28.5 प्रतिशत वोट एवं 21 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन सरकार बनाने में सफल नहीं हो सकी थी।

बाद में तृणमूल ने उसके 11 विधायकों को तोड़ लिया। मेघालय में कानराड संगमा के नेतृत्व में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की सरकार है। भाजपा के दो विधायकों समेत गठबंधन सरकार में 48 विधायक हैं। किंतु मुख्यमंत्री संगमा ने केंद्र सरकार के यूनिफार्म सिविल कोड का विरोध कर सहयोगी भाजपा को तेवर दिखाया है। दोनों दलों में अभी अनिर्णय की स्थिति है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के दौरान इसे लागू करने का वादा किया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

त्रिपुरा में बीएजी के गठन पर सीपीएम की आई आपत्ती

» मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अगरतल्ला। सीपीएम के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने बूथ जागरूकता समूहों (बीएजी) के गठन को लेकर सवाल खड़ा किया है। इस बारे में चौधरी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) किरण गिट्टे को पत्र लिखकर सुझाव दिया है। जिसमें कहा गया है कि बूथ जागरूकता समूह को लेकर विचार छोड़ दिया जाना चाहिए। जितेंद्र चौधरी ने कहा कि इसका गठन महज बीजेपी की मदद करने का प्रयास है। जाहिर सी बात है कि अगर ऐसा होता है तो बीजेपी का दखल होने वाले चुनावों में देखने को मिलेगा। मतदाताओं की जागरूकता के सवाल पर सीपीएम के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जहां तक मुझे लगता है तो एक बूथ में बीएलओ और बीएलए को शामिल करना ही काफी है।

चौधरी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में कहा राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने पत्र में बीएजी के प्रस्ताव पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रबंधन में चुनाव तंत्र की मदद के लिए बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) और बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए) बूथ में पर्याप्त हैं।

यात्रा-रैली-बयानबाजी चुनावी तैयारी की आहट

भाजपा-कांग्रेस व अन्य दलों की नजर 2024 के चुनाव पर

» उत्तर से लेकर दक्षिण तक नेता हो गए एक्टिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव 2024 होने में एक साल से ज्यादा का समय बचा हुआ है। पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक सभी राजनैतिक दल अभी से चुनावी वैतरणी पार करने की जुगत में लग गए हैं। जहां देश की सबसे बड़ी पार्टी राम के नाम के बाद मंदिर के सहारे दिल्ली की सत्ता फिर से अपने पास रखने को बेकरार है तो वहीं सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा केदम पर पूरे देश में मोदी सरकार की गलत नीतियों की पोल खोलने में लगी है और सरकार बनाने की मंशा रखती है। उधर क्षेत्रीय पार्टियां अपने-अपने राज्यों में कहीं जिला स्तरीय आम लोगों को जोड़ने वाले सम्मेलन तो कहीं रैलियों ,यात्राओं के द्वारा अपनी ताकत बढ़ाने में जुटीं है।

कर्नाटक में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की यात्रा, बिहार नीतीश कुमार की समाधान मायावती का भाईचारा सम्मेलन हो या राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर की पद यात्रा ये बानगी हैं कि अब 2023 में राजनैतिक दल आगामी लोक सभा चुनाव के लिए अपने-अपने कील कांटे दुरुस्त करने में लग गए हैं। बहुत से ऐसे नेता भी हैं जो जुटे तो पर अभी चुनाव लड़ेंगे या नहीं भविष्य के अधर में है। जैसे वर्तमान में प्रशांत किशोर बिहार में पदयात्रा पर हैं, अभी तक इस बारे में एक निश्चित दावा करने से कतराते रहे हैं कि वह या उनका संगठन चुनाव लड़ेगा या नहीं। हालांकि, उनके समर्थकों के बीच एक जनमत सर्वेक्षण के परिणाम, जिनमें से 95 प्रतिशत से अधिक ने एक जिले में 2024 के लोकसभा चुनावों में भागीदारी का समर्थन किया, ने इस विचार को मजबूत किया है कि किशोर राजनीतिक कदम उठा सकते हैं जैसा कि उन्होंने अक्सर कहा है अभियान के प्रतिभागियों का इस मुद्दे पर अंतिम कहना होगा। आयोजकों ने कहा कि जन सुराज पदयात्रा के अनुयायियों के बीच रविवार को पहला मतदान आयोजित किया गया कि क्या संगठन को संसदीय चुनाव लड़ना चाहिए। इस मतदान के प्रतिभागी वे लोग थे, जो पूर्वी चंपारण जिले में अभ्यास में शामिल हुए थे। पिछले नवंबर में पश्चिम चंपारण जिले में

2023

में राजनैतिक दल आगामी लोक सभा चुनाव के लिए अपने-अपने कील कांटे दुरुस्त करने में लग गए हैं।

अनुयायियों के बीच एक सर्वेक्षण कराया गया था कि क्या अभियान को एक राजनीतिक दल का रूप लेना चाहिए। मतदान में 2,887 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से 2,808 (97 प्रतिशत से अधिक) ने इसका समर्थन किया था। राजनीतिक दल के गठन का 98 प्रतिशत लोगों ने किया समर्थन आयोजकों ने कहा कि पूर्वी चंपारण में 98 प्रतिशत से अधिक अनुयायियों ने राजनीतिक दल के गठन का समर्थन किया, जबकि 95 प्रतिशत से अधिक 3691 व्यक्तियों में से 3,515 चाहते थे कि यह अगला लोकसभा चुनाव लड़े। किशोर ने कहा है कि यह अभियान से जुड़े लोगों को तय करना है कि चल रही कवायद को राजनीतिक मोड़ लेना चाहिए और चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। वे बेतिया से महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर से शुरू हुई यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार की आलोचना करते नजर आ रहे हैं।

ओवैसी की उत्तर भारत पर निगाह

हैदराबाद के दिग्गज नेता ओवेसी दक्षिणी राज्यों में तो अपनी ताकत में बढ़ाने में तो लगे हुए पर वहीं उत्तर भारत की सियासत में अपनी मजबूत मौजदगी करवाने की कोशिश मे लग गए हैं। इसी क्रम उन्होंने कहा है कि नुपूर शर्मा अगर आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ती हैं तो यह आश्चर्य की बात नहीं होनी चाहिए। बता दें कि जून 2022 में एक समाचार चैनल पर एक बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर उनकी टिप्पणी के लिए भाजपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। बता दें कि नूपुर शर्मा के विवादित बयान की आलोचना कई इस्लामिक देशों ने की थी। नुपूर शर्मा के बयान की वजह से देश में कई जगहों पर हिंसक घटनाएं भी घटी। इन हिंसक घटनाओं को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उदयपुर में सिर कलम करने जैसी घटनाओं की निंदा की जानी चाहिए। मैं सर तन से जुदा जैसे नारों के खिलाफ हूं। मैं इसकी खुले तौर पर निंदा करता हूं। इस तरह के बयान से हिंसा भड़कती है। मैं हिंसा के खिलाफ हूं। एआईएमआईएम नेता ने हालांकि सवाल किया कि शर्मा के बयानों पर प्रतिक्रि या देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कितने दिन लगे थे।

...और तीखे होंगे वरुण के तेवर

"2024 के लोक सभा चुनाव के नजदीक आने तक वरुण अपनी ही सरकार के खिलाफ और मुखर हो सकते हैं। उनके इसी विद्रोही तेवर के चलते लोग तो यहां तक चर्चा करने लगे हैं कि वरुण अपने भाई-बहन का साथ दे सकते हैं।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पहुंचने पर जहां उसके साथ भीड़ उमड़ रही है वहीं उनके चचेरे भाई वरुण गांधी ने भी उनकी यात्रा का दबी जुबान से स्वागत किया है। बीजेपी सांसद ने अपने बयान में कहा था कि इस देश को जोड़ने की राजनीतिक होनी चाहिए, तोड़ने की नहीं, भाई को भाई से टकराने की राजनीति नहीं होनी चाहिए, लोगों को हिंदू मुसलमान की राजनीति नहीं चाहिए, बेरोजगारी पर बात होनी चाहिए, भूखमरी पर बात होनी चाहिए,

» समय-समय पर करते रहे हैं केंद्र की आलोचना

» कांग्रेस या सपा में जाने की लग रही है अटकलें

इसके अलावा बेरोजगारी पर बात होनी चाहिए। उनकी इन बातों को राजनीतिक पंडित कांग्रेस के प्रति उनकी नरमी मान रहे हैं।

विश्लेषकों का मानता है कि 2024 के लोक सभा चुनाव के नजदीक आने तक वरुण अपनी ही सरकार के खिलाफ और मुखर हो सकते हैं। उनके इसी विद्रोही तेवर के चलते लोग तो यहां तक चर्चा करने लगे हैं कि वरुण अपने भाई-बहन का साथ दे सकते हैं अर्थात कांग्रेस में आ सकते हैं। पर वरुण ने अभी ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है।

वैसे ये तो रानीतिक हलको में वरुण की साफगोई चर्चा का विषय रहती है। वह जब भी मौका मिलता है अपनी सरकार की गलत नीतियों पर टिप्पणी जरूर करते हैं। गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश में पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी के पार्टी के खिलाफ बयानबाजी जारी है, हालांकि भारत जोड़ो यात्रा के यूपी पहुंचने से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उनपर बयान दिया। जिसके बाद बीजेपी सांसद के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें चली, लेकिन इस बीच वरुण गांधी कभी भी समाजवादी पार्टी में जाने के कोई संकेत नहीं दिए। वरुण गांधी के इसी बयान के बाद कांग्रेस के प्रति उनका नया रुख देखा गया, हालांकि राहुल गांधी के जाने के बाद उनके पार्टी में जाने की चर्चा शुरू हुई, लेकिन इस बीच गौर करने वाली बात ये है कि वरुण गांधी ने सपा में जाने के संकेत कभी नहीं दिया, सांसद ने कभी ऐसा कोई बयान भी नहीं दिया जो सपा या अखिलेश यादव से जुड़ा हो। सूत्रों के अनुसार बीजेपी सांसद से बहन प्रियंका गांधी लगातार बात कर रहीं हैं, हालांकि सूत्रों का दावा है कि दोनों के बीच बातचीत होती है, दोनों भाई-बहन हैं इस वजह से उनकी बातचीत कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन सूत्रों के अनुसार अब ये बातचीत राजनीतिक होती जा रही है,ऐसे में प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के सीधे आगे आने से अखिलेश यादव खामोश नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो वरुण गांधी के प्रति अखिलेश यादव की खामोशी और राहुल गांधी के सांकेतिक बयान की वजह से भी वरुण गांधी कांग्रेस में जाने के संकेत दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में सत्ता वापसी के लिए बीजेपी ने पदयात्रा की बनाई है रणनीति

छत्तीसगढ़ में इसी साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाले है। सत्ता में वापसी के लिए बीजेपी ग्राउंड पर लड़ने की कोशिश कर रही है, बीजेपी के नेता दो महीने में 66 विधानसभा और राज्य की 11 हजार ग्राम पंचायतों तक पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं, इतना ही नहीं जमीनी मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाने के लिए 8 और 9 जनवरी को राजनांदगांव में बीजेपी की बड़ी बैठक हुई,इस बैठक में बीजेपी की क्या रणनीति बनी है। राजनांदगांव में दो दिन तक बीजेपी की बैठक दरअसल 8 जनवरी को बीजेपी प्रदेश पदाधिकारी बैठक शुरू हुई, ये बैठक 9 जनवरी देर शाम तक चली, इस लंबी बैठक में बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को घेरने की रणनीति बनाई है, वहीं बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने बीजेपी ने पिछले दो महीने का रिपोर्ट कार्ड भी लिया है, बैठक में बताया गया है कि बीजेपी के नेताओं ने राज्य की 90 में से 66 विधानसभा में काम पूरा कर लिया है, ही नहीं हर विधानसभा स्तर पर एक बड़ी जनसभा का आयोजन किया गया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

फैसला संवैधानिक साख पर बट्टा!

दिल्ली नगर निगम के मेयर के चुनाव से पहले जिस तरह का माहौल सदन में देखने को मिला यह अशोभनीय है। उससे यह सवाल एक बार फिर उठा है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए बनी संवैधानिक व्यवस्था को उससे कितना सरोकार है। गौरतलब है कि हाल में दिल्ली नगर निगम के लिए चुने गए पार्षदों के शपथ ग्रहण के दौरान पीठासीन अधिकारी के एक फैसले को लेकर आप और भाजपा के सदस्यों के बीच का विरोध हंगामे में तब्दील हो गया और यहां तक कि धक्का-मुक्की और मारपीट जैसी स्थिति भी देखने को मिली। पहली बात तो यह कि संवैधानिक संस्थाओं में नियम के विपरीत कार्य ही नहीं होना चाहिए। वरना इससे सदन हो या सड़क फिर हंगामे और मारपीट जैसे हालात ही बनते हैं। सदस्यों को शपथ दिलाए जाने की प्रक्रिया को विवादित करने के बजाए उसकी निर्धारित नियमों के मुताबिक कार्यवाही संचालित करनी चाहिए थी। ऐसा नहीं होने पर पहले दोनों पक्षों के बीच हंगामे के साथ नारेबाजी शुरू हो गई और बाद में तनातनी और धक्का-मुक्की के अराजक हालात सदन में पैदा हो गए। सवाल है कि देश में लोकतंत्र की परंपरा के बीच यह किस तरह की प्रवृत्ति गहराती जा रही है कि संवैधानिक जगहों पर भी गैरकानूनी प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे संस्थाओं की साख गिरेगी और मतभेद ही बढ़ेगे। उसका नतीजा सदन जैसी जगह में भी अराजकता और हिंसा तक के रूप में सामने आएगा।

दरअसल, नगर निगम की कार्यवाही में दिल्ली के मेयर का चुनाव होना था। लेकिन उससे पहले पीठासीन अधिकारी ने शपथ ग्रहण के लिए मनोनीत सदस्यों को बुलाया। जोकि नियमों के विपरीत था और इसी मसले पर आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने विरोध जताया कि मनोनीत पार्षदों को पहले शपथ दिला कर मतदान का अधिकार दिलाने की साजिश की जा रही है। आप नेताओं का ऐसा कहना है कि सोची-समझी रणनीति के तहत उपराज्यपाल के इशारे पर यह सब साजिश की गई। अगर ऐसा है तो सवाल उठना लाजिमी है। पीठासीन अधिकारी की ओर से कार्यवाही किसी गलत प्रक्रिया से संचालित नहीं होनी चाहिए थी। क्योंकि हंगामा होने की असल वजह पीठासीन अधिकारी का यह निर्णय ही बना है। विचित्र यह है कि आम आदमी पार्टी और भाजपा एक दूसरे पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाते रहे, लेकिन किसी पक्ष में इस बात की फिक्र नहीं दिखती कि जो हंगामे की स्थिति आई, उससे किसका भला होगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि देश में संविधान के तहत कायम लोकतंत्र में हर व्यवस्था के लिए एक प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है और उसे उसी तरह से चलाना चाहिए। संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की यह जिम्मेदारी है कि वे प्रक्रिया के मुताबिक ही संबंधित संस्थाओं के संचालन को सुनिश्चित करने में अपना योगदान दें। अगर इस बीच कभी अराजक स्थिति पैदा होती है तो उससे लोकतंत्र की जड़ें ही कमजोर होंगी और इसका खमियाजा आखिरकार सबको भुगतना होगा।

सवाल है कि देश में लोकतंत्र की परंपरा के बीच यह किस तरह की प्रवृत्ति गहराती जा रही है कि संवैधानिक जगहों पर भी गैरकानूनी प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे संस्थाओं की साख गिरेगी और मतभेद ही बढ़ेगे। उसका नतीजा सदन जैसी जगह में भी अराजकता और हिंसा तक के रूप में सामने आएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नये साल में आर्थिकी की उजली उम्मीदें

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन नये वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर रहने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। जहां एक जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कठिन वर्ष रहेगा, वहीं भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख 35 सीईओ के एक सर्वेक्षण से यह खुलासा हुआ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तुलना में तेज वृद्धि करेगी। नये वर्ष में भारत में निवेश और रोजगार बढ़ेंगे तथा भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी जुझारू क्षमता और मजबूत-वृहद आर्थिक बुनियाद के कारण दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। जहां अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.1 फीसदी किया है, वहीं सेंटर फॉर इकोनामिक्स एंड बिजनेस रिसर्च (सीईबीआर) यूके ने भारत की विकास दर 6.5 फीसदी अनुमानित की है।

इसमें कोई दो मत नहीं कि दुनिया के आर्थिक परिदृश्य पर चीन में कोहराम मचा रहे कोरोना के नये वेरिएंट ओमिक्रॉन बीएफ-7 की वजह से चिंताएं बढ़ी हैं। इसके साथ ही अमेरिकी मौद्रिक नीति, बढ़ते हुए वैश्विक कर्ज एवं भू-राजनीतिक परिस्थितियों से वैश्विक मंदी की आशंकाओं से चुनौतियां उभरती दिखाई दे रही हैं। यद्यपि ये सब वैश्विक आर्थिक घटक भारत को भी कई तरह से प्रभावित करेंगे, लेकिन बीते वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था के दमखम के साथ आगे बढ़ने के आधार वर्ष 2023 में भी भारत की मुट्ठी में रहेंगे, साथ ही इस साल जी-20 की अध्यक्षता भारतीय अर्थव्यवस्था को 2023 में आगे बढ़ाने का एक और आधार देते हुए दिखाई देगी। गौरतलब है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के प्रसारण में कहा कि इस समय भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। अब 2023 में जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए गर्व की बात है और अब नए वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने की नयी संभावनाएं बनती दिखाई दे रही हैं।

वस्तुत: बीते वर्ष 2022 ने उद्योग-कारोबार और सर्विस के लिए दमदार वापसी की जमीन तैयार कर दी है। बीते वर्ष में लगभग प्रतिमाह बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी, उद्योग-कारोबार गतिविधियों में बेहतरी व अनुमान से अच्छे राजकोषीय नतीजे के

कारण जीएसटी कलेक्शन में वृद्धि हुई। दिसंबर 2022 में 1.49 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी कलेक्शन हुई। दिसंबर महीने में जीएसटी कलेक्शन पिछले वर्ष दिसंबर 2021 की तुलना में 15 फीसदी अधिक है। वर्ष 2023 में जीएसटी कलेक्शन बढ़ने की संभावना होगी। वर्ष 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपए में किये जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय कार्यान्वित होते हुए दिखाई देगा। आरबीआई द्वारा भारत व अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपए में किए जाने संबंधी निर्णय के बाद इस समय डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ईरान समेत एशिया और अफ्रीका के कई देशों के साथ विदेशी व्यापार के लिए डॉलर के बजाय रुपये में भुगतान को बढ़ावा देने की नयी संभावनाएं 2023 में सामने खड़ी दिखाई दे रही हैं। बता दें कि एक नवंबर 2022 से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने देश में डिजिटल रुपए के नये दौर की जो प्रायोगिक तौर पर शुरुआत की है, वह नये वर्ष में विस्तारित होते हुए दिखाई देगी। वर्ष 2023 में भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिये विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ता दिखाई देगा। वर्ष 2022 में एक मई से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एवं 29 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए लागू हो चुके हैं। वर्ष 2023 में निवेश के लिहाज से उन्नत अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के मुकाबले भारत में इक्विटी और डेट, दोनों ही मामलों में बेहतर परिणाम संभावित होंगे। वर्ष 2022 में वैश्विक सुस्ती के बीच भी भारत के शेयर बाजार ने अच्छे परिणाम दिये हैं और 31 दिसंबर, 2022 को सेंसेक्स 61 हजार के आसपास केंद्रित होता दिखाई दिया। भारत का शेयर बाजार 2023 में और ऊंचाई पर पहुंचते हुए दिखाई देगा। नि:संदेह 2023 में देश कृषि क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

फसल वर्ष 2021-22 के चौथे अग्रिम अनुमान के मुताबिक, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.57 करोड़ टन हुआ है। फसल वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड फसल के अनुमान प्रस्तुत हुए हैं। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक, जिस तरह अप्रैल से अक्टूबर 2022 के सात महीनों में कृषि और संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करीब 12 फीसदी बढ़कर 30 अरब डॉलर हो गया है। उसमें वर्ष 2023 में और अधिक तेजी से वृद्धि होगी।

बदलते परिदृश्य में नये विकल्प बनें प्राथमिकता

शेर सिंह सांगवान

जैसे 23 प्रकार के अनाज, दलहन, तिलहन आदि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य, उसी तरह से भारत सरकार (जीओआई) गन्ने के लिए एक गारंटीकृत मूल्य की घोषणा करती रही है जिसे 2008-09 तक वैधानिक न्यूनतम मूल्य (एसएमपी) कहा जाता था। वर्ष 2009-10 से, इसे प्रोफ़ेसर रंगराजन समिति की सिफारिश के अनुसार उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) कहा जाता है, जिसमें गन्ने की उत्पादन लागत के साथ-साथ चीनी मिलों द्वारा वसूल की गई चीनी की कीमत को भी ध्यान में रखा जाता है। इसकी सिफारिश के अनुसार, पिछले वर्ष की कीमत का 70 प्रतिशत किसानों को भुगतान किया जाना चाहिए और 30 प्रतिशत मिल मालिकों द्वारा रखा जाना है। एफआरपी के बावजूद, कुछ राज्य सरकारें गन्ने के लिए राज्य-अनुशंसित कीमतों (एसएपी) की घोषणा करती हैं जो एफआरपी से अधिक हैं। ये एसएपीएस चीनी मिलों पर बाध्यकारी हैं क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मई 2004 में पहली बार राज्यों की एसएपी घोषणा शक्ति को मान्य किया था और 2019 में भी दोहराया था।

2004 से, किसानों के गन्ना बकाया की एक पुरानी समस्या रही है क्योंकि मिलों ने एसएपी भुगतान करने में असमर्थता जताई है। प्रत्येक 3-4 वर्षों के बाद, राज्य और केंद्र सरकारें किसानों को बकाया भुगतान करने के लिए बजट आवंटित कर रही हैं और चीनी मिलों के लिए सॉफ्ट बैंक ऋण की व्यवस्था कर रही हैं। लेखक ने इस समस्या को मुंबई में वरिष्ठ बैंकरों को समझाया है जब बैंकों को 6000 करोड़ रुपये के आसान ऋण प्रदान करने का निर्देश दिया गया था। चीनी का मिल गेट मूल्य लगभग स्थिर रहा है जबकि गन्ने के एसएपी बढ़ती जा रही है। इस वजह से गन्ने और चीनी का उत्पादन बढ़ रहा है तथा मिलों में चीनी का स्टॉक बढ़ रहा है। चीनी मिलें समय-समय पर चीनी नियंत्रण आदेश 1966 में संशोधन के बावजूद बेचने और निर्यात करने में असमर्थ रही हैं क्योंकि हमारे चीनी उत्पादन की लागत इसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से भी ज्यादा रही हैं। केंद्र सरकार ने मिलों की लाभप्रदता के लिए 2018 में चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य की भी घोषणा की। इस प्रकार चीनी अर्थव्यवस्था की समस्या सरकार के लिए दोधारी तलवार की तरह है।

गन्ने के मूल्य में सरकारी हस्तक्षेप से पहले, इसका रकबा मोटे तौर पर पिछले वर्ष में चीनी, गुड़ और खांड की कीमतों के अनुसरण में चार साल के चक्रीय रुझान का पालन कर रहा था। आलू एक अन्य फसल है जिसका रकबा अभी भी रकबे में चार साल के चक्र का पालन करता है। यह सुस्थापित नेरलोवियन मॉडल के अनुसार है जिसमें किसान पिछले साल की कीमतों को देखते हुए फसलों के तहत रकबा आवंटित करता है। 2009-10 से गन्ने के लिए एफआरपी लागू होने के बाद तमिलनाडु और कर्नाटक ने एसएपी में नियमित वृद्धि रोक दी है, लेकिन पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड किसानों की मांग के अनुसार एसएपीएस में बार-बार वृद्धि हुई है। कुछ राज्यों में गन्ने के निरंतर उच्च एसएपी के कारण उनके गन्ने के क्षेत्र में लगातार वृद्धि हुई।

इसके अलावा, उच्च एसएपी के कारण 2017-18 में लगभग 80 प्रतिशत गन्ने का उपयोग चीनी उत्पादन के लिए किया गया है जो 1975-76 में लगभग 30 प्रतिशत था। एसएपी के अनुसार भुगतान भी कानूनी रूप से सुरक्षित हैं क्योंकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक बार यूपी सरकार को मिलों से सरकारी राजस्व के रूप में किसानों की बकाया राशि वसूल करने का आदेश दिया था। अब किसान भी सरकारी कर्मचारियों की यूनियनों की तरह जाग्रत और संगठित हो गए हैं। उच्च एसएपी और हाल के वर्षों में प्रति हेक्टेयर उपज में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू मांग की तुलना में अधिक चीनी का उत्पादन हुआ है। हमारी चीनी की उत्पादन लागत आम तौर पर अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से अधिक होती है। भारत सरकार को चीनी के निर्यात के लिए मिलों को सब्सिडी देनी पड़ती है। इसलिए, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और ग्वाटेमाला जैसे कुछ प्रमुख चीनी उत्पादक देशों ने भारत में उच्च समग्र सहायता देने के खिलाफ डब्ल्यूटीओ समझौतों के तहत मामले दायर किए हैं।

एसएपी के विकल्प के रूप में, भारत सरकार मिलों को गन्ने के एक हिस्से को इथेनॉल उत्पादन के लिए पेट्रोल में मिश्रण (2025 तक 20 प्रतिशत) करने के लिए प्रेरित कर रही है। कुछ राज्य एसएपी को वार्षिक रूप से संशोधित करने के लिए किसान संघों के दबाव का भी विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा राज्य सरकारें चीनी मिलों को चीनी, इथेनॉल और अन्य उप-उत्पादों से अपने कुल लाभ का एक हिस्सा किसानों को वितरित करने का निर्देश दे सकते हैं। इसके अलावा गन्ने के रकबे को प्रतिस्पर्धी फसलों जैसे मक्का, अरहर और तिलहन उच्च और सुनिश्चित कीमतें देकर घटाया जा सकता है ताकि देश की मांग के अनुसार भू-उपयोग किया जा सके। तिलहन और दलहन के उत्पादक किसान ज्यादातर कम सिंचित क्षेत्रों से हैं और फलत: देश के आयात बोझ को कम करने के लिए दूसरों की तुलना में इन पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। तिलहन के लिए उच्च और सुनिश्चित कीमतें देकर कुछ गन्ने का रकबा भी बदला जा सकता है जो भूजल की कमी का समाधान भी करेगा।

सेतुबंधासन के अभ्यास से थकान होती है कम

सेतुबंधासन करते समय गर्दन, कूल्हे और पीठ की मांसपेशियों के साथ जांघों के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में खिंचाव होता है। इस प्रकार, यह इन मांसपेशियों को मजबूत करने और तनाव को कम करते हुए थकान से राहत दिलाने में इस योग के अभ्यास से लाभ पाया जा सकता है। इस योग के माध्यम से भी मस्तिष्क में रक्त का संचार बढ़ता है और शरीर की सक्रियता बढ़ती है। थकान के दूर करने के लिए यह अभ्यास प्रभावी हो सकता है।

तीन अभ्यासों से दिनभर बने रहेंगे ऊर्जावान

योग के अभ्यास की आदत न सिर्फ आपको कई प्रकार की बीमारियों के जोखिमों से बचाने में मददगार होती है, साथ ही यह शरीर को रिफ्रेश करके काम करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने में भी सहायक है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि रोजाना योग करने वाले लोग मानसिक रूप से स्वस्थ और बेहतर कार्यक्षमता विकसित कर लेते हैं, जिससे आपकी कार्यकुशलता में लाभ मिलता है। यही कारण है कि योगासन, संपूर्ण स्वास्थ्य और विकास में आपके लिए मददगार है। योग के साथ अच्छी बात यह भी है कि कुछ आसन आप बेहद कम समय में और आराम से घर पर भी कर सकते हैं। यदि आप रोजाना के काम के कारण व्यायाम के लिए नहीं जा पाते हैं तो भी योगासनों को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर विशेष लाभ पा सकते हैं। 15 मिनट से भी कम समय के कुछ आसन आपके संपूर्ण शरीर की स्ट्रेचिंग के साथ रक्त संचार में सुधार करने और मूड को ठीक करने में विशेष मददगार हो सकते हैं। सभी आयु के लोगों को नियमित योगासनों की आदत बनानी चाहिए, यह आपको ऊर्जावान रखने और कमजोरी-थकान जैसी दिक्कतों को दूर करने में फायदेमंद है। आइए जानते हैं कि कम समय में किन आसनों को करके लाभ पाया जा सकता है?

अधोमुख शवासन

अधोमुख शवासन योग का अभ्यास मानसिक और शारीरिक ऊर्जा बढ़ाने, सतर्कता और उत्साह में वृद्धि करके, नकारात्मक भावनाओं को कम करने में आपके लिए लाभकारी अभ्यास है। अधोमुख शवासन में आपको सामने की तरफ झुकने की आवश्यकता होती है जिससे मस्तिष्क में परिसंचरण बढ़ाता है और थकान दूर होती है। शरीर की बेहतर स्ट्रेचिंग के साथ पीठ दर्द को कम करने में इस योग के अभ्यास से लाभ पाया जा सकता है।

कपालभाति प्राणायाम

दिनचर्या में प्राणायाम आसनों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए, ये तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने और मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में आपके लिए लाभकारी अभ्यास है। कपालभाति प्राणायाम के अभ्यास की आदत बनाकर नसों को सक्रिय करने, अपनी मानसिक शक्ति पर नियंत्रण प्राप्त करने, बालों का विकास और कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं के जोखिम को कम किया जा सकता है। यह आपको ऊर्जावान बनाए रखने वाला अभ्यास है।

सुबह जरूर करें व्यायाम और योगा

आप अपने दिन कि शुरुआत अच्छे कार्यों से करें। सुबह जल्दी उठे और सुबह उठकर आप व्यायाम और योगा जरूर करें। इससे मन प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। साथ ही कोशिश करें ऐसे काम करने की जिसको आप वास्तव में दिल से करना चाहते है। हमारी सोच हमारे लक्ष्य और जोश को एक आयाम देते है । सकारात्मक विचार मनुष्य को हमेशा जीत और प्रसन्नता की तरफ ले जाती है। जैसे ही आप नकारात्मक विचारो को अपने अंदर प्रवेश करते है ठीक उसी समय आपके शरीर से ऊर्जा क्षीण होना शुरू हो जाती है । जिससे आप पूरे दिन खुद को ऊर्जाहीन महशुस करने लगते है। इसलिए पूरा दिन जोश और ऊर्जावान बने रहने के लिए आपका सकारात्मक होना बहुत जरूरी होता है। खुश रहना शरीर के लिए बहुत लाभदायक कहा गया है। जो व्यक्ति ज्यादा खुश रहता है उसे रोग होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। हमारे खुशी और गम के समय शरीर में पॉजिटिव और नेगेटिव हार्मोन्स का श्रावण होता है ।

हंसना मना है

मजेदार चुटकुले हिंदी में खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

जरुरत से ज़्यादा भगवान को याद मत किया करो क्योंकि, किसी दिन भगवान ने याद कर लिया तो, लेने के देने पड़ जायेंगे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मैं मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

पति-पत्नी दोनों मार्किट गए, वहा पति ने एक अनजान लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में : बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर : ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है की, तुम कौन हो..!

पति : काम के लिए बाई रखे? पत्नी : नहीं चाहिए। पति : क्यों? पत्नी : तुम्हारी आदते मैं अच्छी तरह, जानती हूं। भूल गए? पहले मैं भी बाई ही थी!

देवदास की तरह जान मत दो यारो, प्यार को लात मारो यारो, मेरी बात मानो यारो, ना चंद्रमुखी ना पारो, रोज़ रात एक किंगफिशर मारो, और चैन से जिंदगी गुजारो..!

कहानी | कौवा और कोयल

चांदनगर के पास एक जंगल में बड़ा-सा बरगद का पेड़ था, जिसपर एक कौवा और एक कोयल दोनों अपने-अपने घोंसले में रहते थे। एक रात उस जंगल में तेज आंधी चलने लगी। देखते-ही-देखते बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में जंगल का जो भी था सब बर्बाद हो गया। अगले दिन कौवे और कोयल को अपनी भूख मिटाने के लिए कुछ भी नहीं मिला। तभी कोयल ने कौवे से कहा कि हम इतने प्यार से इस जंगल में रहते हैं, लेकिन अब हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है। तो क्यों न जब मैं अंडा दूं, तो तुम उसे खाकर अपनी भूख मिटाना और जब तुम अंडा दोगे, तो उसे खाकर मैं अपनी भूख मिटा लूंगी? कौवे ने कोयल की बात पर सहमती जताई। संयोग से सबसे पहले कौवे ने अंडा दिया और कोयल ने उसे खाकर अपनी भूख मिटा ली। फिर कोयल ने अंडा दिया। कौवा जैसे ही कोयल का अंडा खाने लगा तो कोयल ने उसे रोक दिया। कोयल ने कहा कि तुम्हारी चोंच साफ नहीं है। तुम इसे धोकर आओ। फिर अंडा खाना। भागकर कौवा नदी के किनारे गया। उसने नदी से कहा, तुम मुझे पानी दो। मैं अपनी चोंच धोकर कोयल का अंडा खाऊंगा। नदी बोली पानी के लिए तुम एक बर्तन लेकर आओ। अब कौवा जल्दी से कुम्हार के पास पहुंचा। उसने कुम्हार से कहा कि मुझे घड़ा दे दो। कुम्हार ने कहा कि तुम मुझे मिट्टी लाकर दो, मैं तुम्हें बर्तन बनाकर दे देता हूं। यह सुनते ही कौवा, धरती मां से मिट्टी मांगने लगा। वो बोला, मां मुझे मिट्टी दे दो। धरती मां बोली, मैं मिट्टी दे दूंगी, लेकिन तुम्हें खुरपी लानी होगी। उसी से खोदकर मिट्टी निकलेगी। दौड़ते हुए कौवा लोहार के पास पहुंचा। उसने लोहार से कहा, मुझे खुरपी दे दो। लोहार ने गर्म-गर्म खुरपी कौवे को दे दी। जैसे ही कौवे ने उसे पकड़ा उसकी चोंच जल गई और कौवा तड़पते हुए मर गया। इस तरह चतुराई से कोयल ने अपने अंडे कौवे से बचा लिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। कई दिनों से पेंडिंग काम आप पूरा करके राहत की सांस लेंगे। आपका पॉजिटिव व्यवहार लोगों को प्रभावित कर सकता है।

वृषभ

आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से शिथिलता का अनुभव करेंगे। अपने परिवार के सदस्यों के लिए कोई छोटी-मोटी खरीदारी करना चाहेंगे।

मिथुन

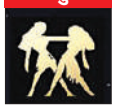

बेचैनी आपको परेशान कर सकती हैं। इससे बचने के लिए टहलने निकलें और ताजा हवा में गहरी सांसें लें, इसके साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार रहेगी।

कर्क

आज किसी काम को पूरा करने में अधिक समय लग सकता है। आप जीवनसाथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। ऑफिस में दिन सामान्य बीतेगा।

सिंह

आजउत्साह में वृद्धि होगी। रोजगार क्षेत्र के लोगों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। विद्यार्थियों को आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की जरूरत है।

कन्या

आपका तनाव काफी हद तक खत्म हो सकता है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगी, लेकिन साथ ही खर्चों में भी इजाफा होगा।

तुला

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में कुछ बदलाव आने की संभावना है। आलस्य के कारण आपके कुछ जरूरी काम छूट सकते हैं।

वृश्चिक

पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नजर आ रही है। किसी खबर का इंतजार है तो वो आज आपको मिल सकती है। जीवन साथी के साथ झगड़ा हो सकता है।

धनु

तनाव से बचने के लिए अपना कीमती वक्त बच्चों के साथ गुजारें। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी, लेकिन आर्थिक तौर पर फायदेमंद साबित होगी।

मकर

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आर्थिक पक्ष में उतार चढ़ाव बना रहेगा। इस राशि के कारोबारियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा।

कुम्भ

आज जीवनसाथी मिलने का योग है। कार्यस्थल पर अपने स्वभाव पर नजर रखना महत्वपूर्ण है वरना आपको इसके लिए बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

मीन

परेशानियों से बाहर निकलने के लिए दोस्तों की मदद लें। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा करना फायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

पठान का ट्रेलर रिलीज होते ही मचा तहलका

शाहरुख खान की फिल्म पठान को रिलीज से पहले ही काफी विवादों का सामना करना पड़ा है। फिल्म पठान के गाने से लेकर पहनावे तक को दर्शकों की ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी पठान में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी लीड रोल में हैं, जिसे वॉर फेम डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है। फैंस पठान का ट्रेलर देख अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ इसकी तारीफ कर रहे हैं तो कुछ दर्शकों ने इसकी कमियां भी खोज निकाली हैं। ट्विटर पर इस फिल्म के ट्रेलर की खूब चर्चा हो रही है।

फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा है। यूजर्स इसपर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। किसी ने इस ट्रेलर में शाहरुख की तारीफ की है तो किसी ने बॉयकॉट पठान कहा है। इस ट्रेलर पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने भी अपने रिएक्शन दिए हैं और शाहरुख को उनकी आगामी फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं।

फिल्म के ट्रेलर पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, इस ट्रेलर में शाहरुख के डायलॉग बहुत ही बेहतरीन हैं, अब लगता है बॉयकॉट पठान नहीं हो पाएगा, क्योंकि इस बार शाहरुख ने गजब का कमबैक किया है। एक

और यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, पूरा देश आपके साथ है शाहरुख। दूसरे यूजर ने लिखा, शाहरुख ने गर्दा उड़ा दिया है। इसी श्रेणी में एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि असली भारतीय इस ट्रेलर को एंजॉय कर रहे हैं, जबकि अंधभक्त कोने में बैठकर रो रहे हैं। एक और यूजर ने लिखा, यह फिल्म ब्लॉकबस्टर होने वाली है। हम इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

परवान चढ़ रहा है ऋतिक-सबा का प्यार!

ऋतिक रोशन ने कल अपना 49वां जन्मदिन मनाया है। एक्टर की प्रोफेशनल लाइफ काफी शानदार चल रही है। वहीं बात अगर पर्सनल लाइफ की करें तो वह आजकल सबा आजाद के प्यार में गिरफ्तार हैं। ऋतिक दीपिका पादुकोण के साथ अपनी अगली फिल्म फाइटर की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि बॉलीवुड के ग्रीक गॉड इस साल अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद से शादी भी रचा सकते हैं। सबा को लेकर ऋतिक रोशन का परिवार भी काफी खुश है।

ऋतिक रोशन और सबा आजाद को अक्सर स्पॉट किया जाता है। दोनों की जोड़ी को फैंस भी काफी पसंद करते हैं। ऐसे में अब खबरें सामने आने लगी हैं कि ऋतिक और सबा जल्द शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। ऋतिक रोशन का परिवार भी सबा और उनके इस रिश्ते से खुश और राजी है। बता दें कि ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन खान और दोनों बेटे भी सबा के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों के करीबी ने उनकी शादी के बारे में जानकारी शेयर की है। उनका कहना है कि ऋतिक और सबा दोनों ही अपनी शादी की प्लानिंग कर रहे हैं, लेकिन कोई जल्दबाजी नहीं होगी। इस साल के आखिर तक चीजें बेहतर होंगी और दोनों शादी के बारे में प्लानिंग करेंगे। अभी दोनों ही अपने काम को लेकर व्यस्त हैं और ऐसे में वह शादी के समय परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। शादी बिल्कुल सिंपल होगी और सुजैन खान सहित केवल उनके करीबी दोस्त और परिवार को बुलाया जाएगा।

व्हाट्सएप के गुलाब

डॉ. तबस्सुम जहां

लघुकथा

ओके सर। बिल्कुल मैं शाम तक रिपोर्ट टाइप करके आपको भेज दूंगी। लिख कर सोनिया ने प्रणाम की इमोजी के साथ दो फालतू के गुलाब भी चस्पा किए और एंटर दबा कर बॉस को व्हाट्सएप कर दिया। आपकी पत्रिका आपके एड्रेस पर भेज दी है सर उम्मीद है तीन दिनों के अंदर आपको मिल जाएगी उसने एक प्रोफेसर को लिखा और स्माईल इमोजी के साथ एक गुलाब भी चिपका दिया।

'प्रणाम माम आपकी कहानी प्रकाशन के लिए संपादक को भेज दी है जल्द ही पीडीफ भी मिल जाएगा।' उसने फिर हग, स्माइल और ढेरों गुलाब रचनाकार को टाइप कर दिया।

'आदाब बाजी जीजू की तबियत कैसी है? वक्त से दवाई ले रहे हैं वो?' उसने जल्द ही लिखकर अपनी यू पी वाली बहन को तीन गुलाब इमोजी के साथ भेज दिया। अभी दो दिन पहले ही उसके जीजू का पेट का ऑपरेशन हुआ था।

'अरे यार निशा जब तुझे फोन मिलाओ तब बिजी होता है फोन का कीड़ा बढ़ गया है तेरे दिमाग में' लिखकर उसने दांत दिखाऊ और पता नहीं कौन कौन से इमोजी गुलाब वाले के साथ व्हाट्सएप कर दिए।

'सुनो जी, आप याद से खाना खाने के बाद दवा ले लेना और आराम से सो जाना। 'आई लव यू' यह रात का आखिरी मैसेज उसने अपने पति को किया और गुडनाईट इमोजी के साथ खूब सारे गुलाब भी भेज दिए।

सोनिया का ज्यादातर काम वाट्सएप पर होता है उसकी मैगजीन, उसकी कहानियां, आर्टिकल रिपोर्टिंग सब कुछ। यह वाट्सएप ही एक तरह से उसका ऑफिस है। सबको शालीनता से जवाब दे कर कुछ अच्छे इमोजी तथा फालतू के गुलाब लगा देना उसकी आदत बन गई थी। वो जानती है कि सब ऐसा ही करते हैं कुछ जरूरी सा बन गया है। आप लाख उदास सही पर किसी को स्माईल भेज कर आप सामने वाले को यह अहसास करा सकते हो कि आप अच्छे मूड में हो और उसके जवाब से खुश हो। पी नहीं सकते उसके बाद भी लोग एक दूसरे को चाय काफी कोल्डड्रिंक न जाने क्या क्या भेजते रहते हैं। अब तो आधुनिक डिजिटल सिंबल इमोजी और न जाने कितना मजेदार चीज आ गई हैं। व्हाट्सएप पर इमोजी की दुनिया ही निराली है बिना इनके किसी को मैसेज करना अधूरा और बोरिंग लगता है।

एक रात सोनिया व्हाट्सएप पर वही रोजमर्रा का काम निपटा कर सो रही थी कि रात में डेढ़ बजे एक संपादक का व्हाट्सएप आया। नींद की खुमारी में बमुश्किल सोनिया ने जैसे ही पढ़ा उसकी नींद छू मंतर हो गई। मैसेज संपादक महोदय की धर्मपत्नी की ओर से था। लिखा था-'

'आप इतने गुलाब मेरे शौहर को क्यों भेज रही हैं, मुझे ये सब पसंद नहीं आप अपनी लिमिट में रहे तो बेहतर होगा'

मैसेज पढ़कर सोनिया की तो अचरज का ठिकाना ही न रहा। दुनिया में ऐसे भी लोग मौजूद हैं जो व्हाट्सएप के इमोजी को इतना सीरियसली ले सकते हैं जब कि इन संपादक महोदय को वह बड़े भाई स्वरूप मानती है। उसे संपादक महोदय की धर्मपत्नी की सोच पर अफसोस हुआ जो शायद व्हाट्सएप की दुनिया से अनभिज्ञ थीं।

उसने तय किया कि आगे से वह किसी को गुलाब वाले इमोजी नहीं भेजेगी। माना यहां फ्री के गुलाब है जब चाहे कितने भी किसी को भेज दो पर यह गुलाब भी किसी के दिल में चुभ सकते हैं इसका अंदाजा उसे पहली बार हुआ था। यह साधारण बात नहीं थी अजीब थी। सो किसी न किसी को बताना जरूरी था। सोनिया के पेट में गुदगुदी होने लगी उसने उसी वक्त अपनी सहेली को व्हाट्सएप किया- 'हाय पल्लवी! डियर तुझे पता है आज कितना इंटरस्टिंग इंसिडेंट हुआ है कल मिलेगी तो बताऊंगी' उसने जल्दी जल्दी टाईप किया और ढेर सारे गुलाबों के साथ एंटर कर दिया।'

मुर्दों को देना पड़ता है किराया, जीते जी अपनी कब्र के किराये का करते हैं इंतजाम

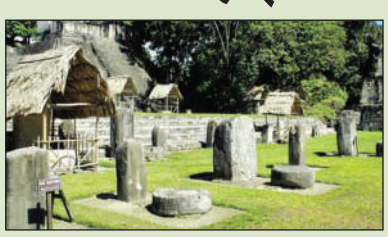

दुनिया बहुत बड़ी है और यहां अलग-अलग देशों में अलग-अलग किस्म के रीति-रिवाज़ो का पालन किया जाता है। इनमें से कुछ परंपराएं बेहद अजीबोगरीब होती हैं। आज के युग में भी कुछ ऐसी परंपराएं हैं, जिन्हें जानकर आप शायद एक बार में यकीन न कर पाएं, लेकिन ये इसी दुनिया के किसी कोने में निभाई जाती हैं।

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद जनजातीय रीति-रिवाज आपको सोचने पर मजबूर कर देते हैं लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि इस दुनिया में एक ऐसी भी जगह मौजूद है, जहां पर लोगों को अपने प्रियजनों को कब्र में रखने के लिए भी किराया देना पड़ता है। ऐसा न करने की स्थिति में शव बाहर निकाल दिया जाता है। सुनने में ये भले ही आपको अजीब लगे लेकिन ये रिवाज़ निभाया जाता है। कभी अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर रहा मध्य अमेरिकन देश ग्वाटेमाला में ये परंपरा या फिर नियम कह लें, पालन किया जाता है। यहां दुनिया से जा चुके लोगों के शव को भी दफनाने के लिए हर महीने किराया देना पड़ता है। अगर किसी रिश्तेदार की कब्र का मालिक एक महीने का किराया देने में समर्थ नहीं है, तो शव को उस कब्र से निकालकर सामूहिक कब्र में रख दिया जाता है। उसकी जगह दूसरे शव को कब्र में दफना दिया जाता है। इन कब्रों का किराया भी काफी महंगा है। दरअसल ग्वाटेमाला में जगह की कमी के चलते बहुमंजिला कब्रिस्तान का चलन है, जहां एक कब्र के ऊपर ही दूसरी कब्र बना दी जाती है। ऐसे में अगर कोई कब्र का किराया नहीं दे पाता, तो उसके परिजनों का शव बाहर निकालकर दूसरा शव अंदर रख दिया जाता है। यहां लोग जीतेजी अपनी कब्र के किराये का इंतज़ाम करते हैं, जबकि गरीब लोगों के लिए ये बहुत मुश्किल होता है। कब्रिस्तान में कुछ बाहर निकली हुई लाशें और कई मृत शरीर बैठे और खड़े भी दिखाई देते हैं।

अजब-गजब

पारस पत्थर के छूने से लोहा बना जाता है सोना

रायसेन के किले में मौजूद है पारस पत्थर, खोजने वाले हो जाते हैं पागल

आपने दुनिया में तमाम ऐसी चीजों के बारे में सुना होगा जो किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। आज हम आपको एक ऐसे पत्थर के बारे में बताने जा रहे हैं जो लोहे को भी सोना बना देता है। इस पत्थर का नाम पारस पत्थर है। हालांकि इस पत्थर को खोजने में अबतक हर कोई नाकाम रहा है। लोगों का दावा है कि ये पत्थर इस किले में आज भी मौजूद है। इसीलिए तमाम लोग हर साल इस किले में खुदाई के लिए आते हैं।

ऐसा माना जाता है कि पारस पत्थर लोगों की चीज को छूते ही सोना बना देता है। बताया जाता है कि ये पत्थर भोपाल से करीब 50 किलोमीटर दूर रायसेन के किले में आज भी मौजूद है। जो इस किले के राजा के पास था। ऐसा माना जाता है कि इस पत्थर के लिए कई युद्ध भी हुए। एक बार जब इस किले के राजा से युद्ध हुआ तो उन्हें लगा कि अब वह युद्ध हारने वाले हैं तब उन्होंने पारस पत्थर को किले में मौजूद तालाब में फेंक दिया।

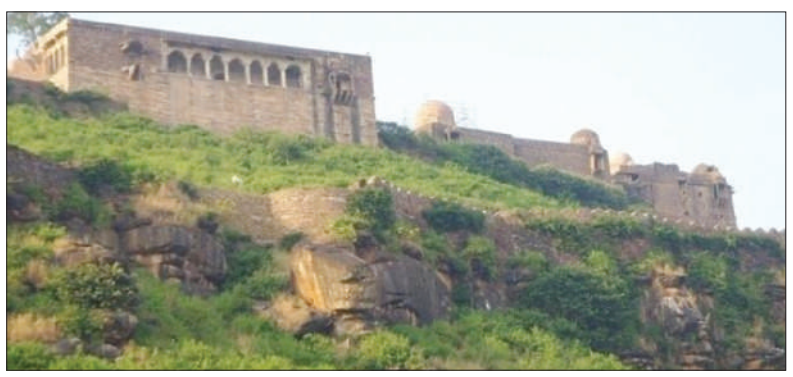

पासर पत्थर को तालाब में फेंकने की बात राजा ने किसी को नहीं बताई। उसी दौरान युद्ध के बाद राजा की मृत्यु हो गई। उसके बाद धीरे-धीरे ये किला वीरान हो गया। राजा की मृत्यु के बाद इस किले को कई अन्य राजाओं ने खुदवाया लेकिन किसी को पारस पत्थर नहीं मिला।

बता दें कि आज भी लोग यहां रात के समय पारस पत्थर की तलाश में तांत्रिकों को अपने साथ लेकर जाते हैं, लेकिन किसी को यहां कुछ नहीं मिलता। ऐसा माना जाता है कि इस किले में पारस पत्थर की खोज करने वाले लोगों का मानसिक संतुलन खो जाता है। कहा जाता है कि इस पारस पत्थर की रक्षा एक जिन्न करता है। बता दें कि पुरातत्व विभाग को अब तक ऐसा कोई भी सबूत नहीं मिला है। जिससे पता चलता है कि पारस पत्थर इसी किले में मौजूद है।

जोशीमठ में गिराए जायेंगे 723 भवन!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही मुश्किलें » इमारतें गिराने के विरोध में आए स्थानीय लोग » जेसीबी से पहाड़ों का तोड़ना जारी

चमोली। उत्तराखंड के जोशीमठ में दिन-ब-दिन मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यहां 45 और मकानों में दरारें आ गईं। साइंटिफिक स्टडी पूरी हो गई है। लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और खतरे के निशान वाले मकानों को गिराने के अलावा फिलहाल दूसरा कोई रास्ता सरकार को नहीं सुझ रहा है। स्थानीय लोगों के विरोध के चलते भवनों के गिराने की कार्रवाई बीते मंगलवार को शुरू नहीं हो सकी। लोगों का गुस्सा इस बात पर है कि एनटीपीसी का प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए जेसीबी से पहाड़ तोड़ना अंधाधुंध जारी रहा, इसे समय पर रोका ही नहीं गया। आज हालात ऐसे हो गए हैं कि बेघर होना पड़ रहा है। एक्सपर्ट की टीम द्वारा असुरक्षित घोषित किए गए मकानों पर लाल निशान लगाए गए हैं।

यहां अब साइंटिफिक स्डटी में 723 इमारतें असुरक्षित बताई गई हैं, पहले यह आंकड़ा 678 था। दरअसल, बताया गया है कि बीते मंगलवार को 45 और मकानों में दरारें आईं। कुछ इलाके सील भी किए गए हैं। हालांकि, बिल्डिंग गिराने की कार्रवाई अभी शुरू नहीं हो सकी है। 2 होटल गिराए जाने की कार्रवाई स्थानीय लोगों के विरोध के बाद रोक दी गई। यहां मकानों में दरारें आने के बाद एक्सपर्ट टीम ने होटलों को गिराने का फैसला लिया है। लग्जरी होटल मलारी इन और होटल माउंट व्यू में से पहले मलारी इन को गिराया जाएगा। दोनों 5-6 मंजिला होटल हैं। इन्हें गिराने का काम सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरबीआई) की निगरानी में होगा। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर है। गौरतलब है कि इस मामले पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सुप्रीम कोर्ट ने अर्जेंट हियरिंग की अपील की थी, मगर अदालत ने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इसमे सुनवाई 16 जनवरी को तय की गई है।

आज से मिल सकती है हल्की राहत, 14 से फिर सताएगी सर्दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब समेत उत्तर भारत में ठंड और कोहरे का प्रकोप जारी है। कोहरे का असर विमानों की आवाजाही पर पड़ा है, कई विमान देरी से उड़ान भर रहे हैं। ज्यादातर हिस्सों में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाया है। इसके चलते सड़क, रेल और हवाई यातायात पर असर पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को आंशिक बादल छाए रहे व सुबह के समय मध्यम स्तर का कोहरा रहा। बताया कि आज से 13 जनवरी के बीच अधिकतम तापमान 19 से 20 डिग्री के आसपास व न्यूनतम तापमान 6 से 9 डिग्री तक दर्ज होगा। 14 जनवरी के बाद तापमान में फिर से गिरावट देखने को मिलेगी। इस दौरान तापमान 4-5 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

एलजीबीटी के समर्थन में उतरा संघ, भागवत का आया बयान

» कहा, उन्हें उनकी निजता का हक मिले और वह इसे महसूस कर सकें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑर्गेनाइजर और 'पांचजन्य को दिये साक्षात्कार में सरसंघचालक भागवत ने एलजीबीटी समुदाय का भी समर्थन किया और कहा कि उनकी निजता का सम्मान किया जाना चाहिए और संघ इस विचार को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा, ''इस तरह के झुकाव वाले लोग हमेशा से थे, जब से मानव का अस्तित्व है...यह जैविक है, जीवन का एक तरीका है, हम चाहते हैं कि उन्हें उनकी निजता का हक मिले और वह इसे महसूस करें कि वह भी इस समाज का हिस्सा है, यह एक साधारण मामला है।

उन्होंने कहा, ''तृतीय पंथी लोग (ट्रांसजेंडर) समस्या नहीं हैं। उनका अपना पंथ है, उनके अपने देवी, देवता है। अब तो उनके महामंडलेश्वर हैं। उन्होंने कहा कि संघ का कोई अलग दृष्टिकोण नहीं है, हिन्दू परंपरा ने इन बातों पर विचार किया है। सरसंघचालक ने कहा, ''हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान बना रहे, सीधी सी बात है, इससे आज भारत में जो मुसलमान हैं, उन्हें कोई नुकसान नहीं है, वह हैं, रहना चाहते हैं, रहें, पूर्वज के पास वापस आना चाहते हैं, आएं, उनके मन पर है।

देश में दिल्ली, यूपी में गाजियाबाद सबसे प्रदूषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों पर आधारित एक विश्लेषण के अनुसार, दिल्ली 2022 में भारत का सबसे प्रदूषित शहर था। यहां पर पीएम 2.5 का स्तर सुरक्षित सीमा से दोगुने से भी अधिक था जबकि उच्चतम औसत पीएम 10 सांद्रता तीसरे नंबर पर रही। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) ट्रैकर की जारी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में पीएम 2.5 प्रदूषण चार साल में 7 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है। 2019 में 108 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 2022 में 99.71 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गया है। हालांकि अभी भी वांछित स्तर से काफी नीचे है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 10 जनवरी 2019 को 102 शहरों में पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर को 2024 तक (2017 को आधार वर्ष होने के साथ) 20 से 30 प्रतिशत तक कम करने के लिए एसीएपी शुरू किया था। सूची में कुछ और शहरों को जोड़ा गया, जबकि कुछ को बाद में हटा दिया गया। अब ऐसे 131 शहर हैं जो एनसीएपी के तहत 2011 -15 की अवधि के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करते थे। सितंबर 2022 में, सरकार ने 2026 तक पार्टिकुलेट मैटर सघनता में 40 प्रतिशत की कमी का नया लक्ष्य निर्धारित किया। उच्चतम पीएम 2.5 वाले शीर्ष चार शहर

दिल्ली और एनसीआर शहर हैं और शीर्ष नौ भारत-गंगा के मैदानी इलाकों से हैं, जैसा कि आंकड़ों से पता चलता है। पीएम 2.5 के स्तर के संबंध में सबसे प्रदूषित शहरों में, दिल्ली (99.71 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) पहले स्थान पर, हरियाणा का फरीदाबाद (95.64 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) दूसरे स्थान पर और उत्तर प्रदेश का गाजियाबाद (91.25 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) तीसरे स्थान पर है। पीएम 2.5 छोटे कण होते हैं जिनका व्यास 2.5 माइक्रोन से कम होता है।

पीएम 10 में गाजियाबाद शहर सबसे अधिक जहरीला

पीएम 10 के स्तर के मामले में गाजियाबाद (217.57 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) देश में सबसे प्रदूषित शहर था। फरीदाबाद (215.39 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) दूसरे स्थान पर और दिल्ली (213.23 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) तीसरे स्थान पर रहा। 2021 में, गाजियाबाद पीएम 2.5 स्तरों के संबंध में सबसे अधिक प्रदूषित था, जबकि पीएम 10 स्तरों के मामले में यह तीसरे स्थान पर था। पीएम 2.5 और पीएम 10 के लिए देश की मौजूदा वार्षिक औसत सुरक्षित सीमा क्रमशः 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा।

हरियाणा कांग्रेस में जान फूंक गए राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबाला (हरियाणा)। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी ने हरियाणा कांग्रेस में एक बार फिर उत्साह भर दिया है। वहां पर कांग्रेस की सोशल इंजीनियरिंग भी साफ नजर आई। राहुल गांधी भी यात्रा में कुमारी सैलजा और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ एक संतुलन में नजर आए। वहीं, अंबाला में चंद्रमोहन की एंट्री ने सभी को हैरान कर दिया, कांग्रेस के लिए यह फायदे का सौदा दिख रहा है। कुछ इसी प्रकार की सोशल इंजीनियरिंग यात्रा में दिखाई दी।

सोशल इंजीनियरिंग दिखी, सैलजा को साथ लिया, हुड्डा समर्थकों को भी जोड़ा

दरअसल हरियाणा में कांग्रेस के दो गुट पिछले लंबे समय से दिखाई देते रहे हैं। अंबाला में पोस्टरों और बैनरों में इन गुटों को साफ देखा जा सकता था। मगर यात्रा में राहुल गांधी इन सबसे हटकर एकजुटता का संदेश देते नजर आए। उनकी यात्रा में संगठन को ऊपर रखा गया। वे कुमारी सैलजा को अहमियत देते नजर आए तो हुड्डा समर्थकों को तरजीह दी। इस इंजीनियरिंग ने भाजपा का गढ़ माने जाने वाले अंबाला के कांग्रेसियों में फिर से जान फूंकने का काम किया। मंगलवार को सड़कों पर ऐसे-ऐसे कांग्रेसी दिखाई दिए जो कभी पार्टी की बैठकों में भी नहीं आते थे। अब यह उत्साह भाजपा का किला भेदने मे कांग्रेस के लिए फायदेमंद होगा या नहीं यह तो समय ही बताएगा मगर कार्यकर्ताओं को को नई रोशनी जरूर नजर आ रही है।

सैलजा के लिए राहुल ने तोड़ा प्रोटोकॉल भले ही कुमारी सैलजा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर न हों, मगर भारत जोड़ो यात्रा में उनकी अहमियत साफ देखी जा सकती है।

समर्थकों ने दिखाया गजब का उत्साह

अंबाला को कुमारी सैलजा का गढ़ माना जाता है। यहां भारत जोड़ो यात्रा के मार्ग पर लगे पोस्टरों से साफ देखा गया कि किस प्रकार का शक्ति प्रदर्शन चल रहा है। एक तरफ जहां हुड्डा समर्थकों ने अपने बड़े-बड़े पोस्टर थे और स्वागत के लिए मंच बनाया था तो वहीं सैलजा समर्थक भी किसी से पीछे नहीं थे। कई स्थानों पर सैलजा समर्थकों के पोस्टरों में भूपेंद्र हुड्डा नहीं थे तो हुड्डा समर्थकों के पोस्टरों से सैलजा गायब थीं। मगर यात्रा में चल रहे राहुल गांधी दोनों गुटों को साधते नजर आए। मोहड़ा गांव में नुक्कड़ सभा के दौरान कुमारी सैलजा को दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपनी कुर्सी दी। इसके बाद कुमारी सैलजा ने भूपेंद्र हुड्डा से भी गुफ्तगू भी की। पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा में गए कुलदीप बिश्नोई के भाई चंद्रमोहन भले ही भारत जोड़ो यात्रा में खुद न दिखे हों। मगर उनके पोस्टर जरूर अंबाला पंजाब के बार्डर तक दिखाई दिए। हालांकि पोस्टर उनके समर्थकों द्वारा लगाए गए थे। मगर अंबाला में चंद्रमोहन की एंट्री से राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा हो रही, क्योंकि इससे पहले चंद्रमोहन की अंबाला में राजनीतिक हस्तक्षेप दिखाई नहीं दी है।

बिहार में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में लगाई आग पुलिस को लाठी-डंडों से पीटा

बक्सर में उग्र हुआ प्रदर्शन, पुलिस पर भी ग्रामीणों को घरों में घुसकर पीटने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के बक्सर जिले में थर्मल पावर प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण के विरोध में किसानों का प्रदर्शन उग्र हो गया। ग्रामीण आज सुबह लाठी-डंडे लेकर पुलिस और पावर प्लांट पर टूट पड़े। पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उनमें आग लगा दी। प्लांट के गेट पर भी आगजनी की गई। पुलिस ने हवाई फायरिंग करके भीड़ को खदेड़ने की कोशिश की। दोनों तरफ से बीच-बीच में पत्थरबाजी भी हो रही है। चार पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। ग्रामीण हटने के लिए तैयार नहीं हैं। भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

85 दिनों से भूमि अधिग्रहण के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं ग्रामीण

गौरतलब है कि किसान 85 दिन से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों ने बीते मंगलवार को प्लांट के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया और धरने पर बैठ गए। उस समय पुलिस ने कुछ नहीं किया, लेकिन आरोप है कि रात को पुलिस ने उनके घरों में घुसकर मारपीट की। चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहां मौजूद एक शख्स ने घटना का वीडियो बना लिया। पुलिस की ज्यादती के विरोध में आज सुबह लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर प्लांट पर पहुंच गए और हमला कर दिया। बक्सर के मुफस्सिल थाने के चौसा में बनारपुर गांव के पास थर्मल पावर प्लांट लग रहा है। किसानों की जमीन अधिग्रहण की जा रही है, इसका विरोध ग्रामीण कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने मारपीट के दौरान महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा।

सड़क पर खड़े लोगों को डंपर ने रौंदा, तीन की मौत, दो गंभीर

» रायबरेली में चाय गुमटी के पास भीषण हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में आज तड़के की सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ। हादसे में तीन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, रायबरेली के गुरबक्श गंज थाना इलाके में बुधवार सुबह घने कोहरे की वजह से बेकाबू डंपर खगियाखेड़ा गांव के पास बैठे लोगों को रौंदते हुए नहर में गिर गया। दर्दनाक हादसे में तीन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। अब तक तीन लोगों के शव मिल गए हैं। बाकी की तलाश की जा रही है। शुरुआती जानकारी में बताया जा रहा है यह लोग गुमटी के पास बैठकर चाय पी रहे थे। इसी दौरान बांदा-बहराइच राजमार्ग पर बछरावां से लालगंज की तरफ जा रहे डंपर ने लोगों को रौंद दिया। इसके बाद पुलिया को तोड़ते हुए नहर में पहुंच गया। मृतकों में सभी लोग खगियाखेड़ा गांव के रहने वाले हैं। हादसे के बाद मौके पर भीड़ लग गई। मृतकों में ललई (65) पुत्र बद्री, लल्लू (50) पुत्र सत्यनारायण, रविंद्र (35) पुत्र छेदीलाल शामिल हैं। इसके अलावा अशोक बाजपेई, रामप्रकाश, दीपेंद्र और संतोष गंभीर रूप से घायल हैं। इनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जदुआ टप्पा में भर्ती कराया गया, यहां से घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है।

किसानों के हत्यारे आशीष को राहत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी में किसानों को गाड़ी से कुचल कर मारने के आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर आज भी कोई फैसला नहीं हो पाया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई को 20 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है।

आशीष मिश्रा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की है, जिसमें कोर्ट ने मिश्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश लखीमपुर खीरी की रिपोर्ट को भी पढ़ा, जो कहती है कि इस मुकदमे को पूरा होने में पांच साल का समय लगेगा, क्योंकि मामले में 208 गवाह हैं। दरअसल, शीर्ष अदालत ने पिछली सुनवाई में निचली अदालत से जानकारी मांगी थी।

दिन निकलते ही हरियाणा में बाप और बेटी का कत्ल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। हरियाणा के रोहतक शहर से सटे बोहर गांव में बुधवार सुबह छह बजे के करीब अज्ञात हमलावरों ने 50 वर्षीय सुरेंद्र व उसकी 13 साल की बेटी निकिता की गोली मारकर हत्या कर दी। बुजुर्ग महिला बाल-बाल बच गई। सुरेंद्र का पिता पत्नी से तलाक का केस चल रहा है। पुलिस पारिवारिक विवाद के साथ-साथ पुरानी रंजिश से जोड़कर वारदात की जांच पड़ताल कर रही है।

पुलिस के मुताबिक सुरेंद्र परिवार सहित रह रहा था। साथ ही खेतीबाड़ी का कार्य करता था। बताया जा रहा है कि सुबह छह बजे वह उठकर भैंस को चारा डाल रहा था, ताकि थोड़ी देर बाद दूध निकाल सके। इसी बीच किसी ने उसे घर के अंदर घुसकर तीन गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी बेटी निकिता कमरे के अंदर बेड पर सो रही थी। उसको भी गोली मार दी गई। घर में मौजूद निकिता की दादी बुजुर्ग है, उसे कम सुनाई देता है। वह कुछ सुन नहीं सकी। गोलियों का शोर सुनकर पड़ोस के लोग पहुंचे। हमलावर मौके से फरार हो चुके थे।

सूचना पाकर अर्बन एस्टेट थाने से पुलिस व एफएसएल एक्सपर्ट डॉक्टर सरोज दहिया मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की। वारदात की गहराई से पड़ताल कर रहे हैं। वारदात के पीछे पुरानी रंजिश या पारिवारिक विवाद भी हो सकता है। क्योंकि सुरेंद्र का पत्नी से तलाक का केस चल रहा है। अभी स्पष्ट तौर पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

बिजली के दाम बढ़ने पर आमजन को लगेगा झटका : अखिलेश यादव

किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का वादा भी नहीं हुआ पूरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिजली के दाम बढ़ाने के प्रस्ताव को पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कड़ी आलोचना की है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के बिजली दरों में 23 फीसदी बढ़ोतरी के प्रस्ताव को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए भाजपा का झटका है, जो पहले से ही महंगाई से जूझ रहे हैं। इस कदम से लोगों की मुश्किलें और बढ़ेंगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली दरों में बढ़ोतरी से घरेलू उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा परेशानी होगी। इस वृद्धि के बाद आम लोगों पर बिजली बिल में 23 प्रतिशत का अतिरिक्त भार बढ़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि यह बढ़ोतरी कीमतों में इजाफा करने की भाजपा की कोशिश लगती है।

सपा सुप्रीमो ने कहा महंगाई बढ़ने से लोग होंगे परेशान

अखिलेश यादव ने आगे कहा, कि राज्य में बिजली की दरों में बढ़ोतरी आम आदमी, किसानों, व्यापारियों पर भारी पड़ेगी और बढ़ती कीमतों में इजाफा करेगी। नतीजतन, गरीब, निम्न मध्यम और मध्यम वर्ग को इस कदम का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन यह वादा कई अन्य लोगों की तरह एक जुमला (बयान) बनकर रह गया है, जो भाजपा ने चुनाव से पहले किया था। लोग पहले से ही खाद्य उत्पादों, खाना पकाने के तेल, ईंधन, दालों और खाद्यान्नों की बढ़ती कीमतों के भुगतान से तंग आ चुके हैं। शिक्षा की बढ़ती लागत पहले से ही एक अतिरिक्त दबाव था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।